भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 73
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 03 फरवरी, 2025
14 माघ, 1946 (शक)
देश के अन्य राज्यों में ओडिशा संस्कृति को बढ़ावा देना

73. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित नेवासा,जो मराठी साहित्य और संस्कृति के महान ऋषि संत ज्ञानेश्वर का जन्मस्थल और महाराष्ट्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का केन्द्र है, एक पवित्र तीर्थस्थल है;

(ख) क्या 1275 ई. में नेवासा में जन्मे संत ज्ञानेश्वर एक महान ऋषि, कवि और दार्शनिक थे, जिन्होंने मराठी भाषा में भक्ति साहित्य की रचना की थी और जिनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध कृति 'ज्ञानेश्वरी' भगवान कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित उत्कृष्ट ग्रंथ है;

(ग) क्या नेवासा गांव में स्थित ज्ञानेश्वर की समाधि उनके अनुयायियों के लिए तीर्थस्थल है और यहां उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसकी पूजा की जाती है और उक्त गांव में कई अन्य मंदिर और स्मारक हैं जो ज्ञानेश्वर के जीवन और कार्यों से संबंधित हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार द्वारा नेवासा तीर्थस्थल के सांस्कृतिक और धार्मिक विकास हेतु केन्द्रीय निधि का आवंटन सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार किया गया है; और

(च) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): नेवासा के बारे में स्थानीय मान्यताएं हैं। इसके अलावा, नेवासा, जिला अहमदनगर में स्थित एक प्राचीन स्थल जिसे स्थानीय रूप से लाडमोड के नाम से जाना जाता है, को प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया था।
(ख): परंपरा और स्थानीय मान्यता यही कहती है।
(ग) और (घ): ज्ञानेश्वर की समाधि और आलंदी, जिला पुणे में स्थित अन्य मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षणाधीन नहीं हैं।
(ड.) और (च): प्राचीन स्थल जिसे स्थानीय रूप से लाडमोड, नेवासा के नाम से जाना जाता है, की देखभाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा की जाती है और पिछले तीन वर्षों के दौरान इसके रखरखाव पर किया गया व्यय निम्नानुसार है:

2021-22	369400 रुपए
2022-23	635412 रुपए
2023-24	321268 रुपए

*****